HCQ-001-001517 Seat No. _____

B. A. (Sem. V) (CBCS) Examination

October – 2017

Hindi : Paper-XV

(प्राचीन हिन्दी काव्य भाग–१)

(New Course)

Faculty Code : 001
Subject Code : 001517

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
(२) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।
(३) प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दिये गये हैं ।

१ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

१ 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

२ ''विद्यापति मूलतः सौन्दर्य के उपासक हैं ।'' प्रस्तुत कथन के आलोक में विद्यापति की सौन्दर्य चेतना का विस्तार से परिचय दीजिए । १४

अथवा

२ विद्यापति पदावली के आधार पर विद्यापति की काव्य कला की समीक्षा कीजिए । १४

३ ''बेलि क्रिसन रूकमणी री में शृंगार रस की प्रधानता होते हुए भी यह कृति भक्ति भावना से ओतप्रोत है'' इस कथन की समीक्षा करते हुए 'बेलि' में चित्रित भक्ति भावना का वर्णन कीजिए । १४

अथवा

३ 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की कथा संक्षेप में लिखते हुए उसके उद्देश्य की चर्चा कीजिए । १४

४ गीति काव्य के लक्षणों के आधर पर विद्यापति पदावली का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

४ 'विद्यापति पदावली' के आधार पर विद्यापति की भक्ति भावना की सोदाहरण चर्चा कीजिए । १४

५ किन्हीं **दो** विषय पर टिप्पणी लिखिए : १४

(१) 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' में रूकमणी हरण प्रसंग

(२) बेलि क्रिसन रूकमणी री में प्रकृति निरूपण

(३) विद्यापति का विरह वर्णन

(४) विद्यापति पदावली की राधा